POLITICAL SCIENCE SPECIFIC COURSE OUTCOME

Class UG/PG	PAPER	SPECIFIC PROGRAMME OUT COME
M.A. 1 Semester	**Paper** **1. Indian Political Thought** **2. Indian Govt.and politics** **3. Comparative politics** **4. International organization**	1. महाभारत में वर्णित शांतिपूण के साथ-साथ चाणकय ,विवेकानंद महात्मागांधी ,अम्बेडकर जयप्रकाश नारायण के राजनीतिक विचारों का ज्ञान प्राप्त हुआ। 2. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में निहित आदर्शों के ज्ञान से विद्यार्थी वर्ग में आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा जाग्रत हुई। 3. परंपरागत व आधुनिक राजनीतिक व्यवस्थाओं की विशेषताओं का ज्ञान हुआ। 4. अंतर्राष्ट्रीय जगत में मानव अस्तित्व के लिये अत्यावश्यक नि:शस्त्रीकरण एवं परमाणु अप्रसार संबंधी धारणा का ज्ञान हुआ।
M.A. II Semester	**1. Western political thought** **2. State politics in india** **3. Comparative politics in development and analysis** **4. Indian foreign policy**	1. मानव जीवन के विकास की आवश्यकता की प्रथम शर्त स्वतंत्रता पर पश्चिमी एवं यूनानी विचारकों की दृष्टि का ज्ञान हुआ। 2. राज्यों की स्वायत्ता एवं उनकी कार्यपालिका व्यवस्थापिका एवं न्यायपालिका के कार्यो का ज्ञान मिला। विकासशील देशों की तुलनात्मक राजनीतिक व्यवस्था के अंतर्गत एकात्मक ,संघात्मक संसदात्मक एवं अध्यक्षात्मक अवस्था का ज्ञान हुआ। 4. भारतीय विदेश नीति के आदर्शों का ज्ञान हुआ और महाशक्तियों एवं पड़ोसी राष्ट्रों के साथ भारत के व्यवहार का ज्ञान हुआ।
M.A. .-III Semester	1. Principal of International politics 2. Public administration Part-I 3. Research methodology Part-I	1. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में परस्पर सहयोग एवं शांतिपूर्ण सबंधों की अहमियत का ज्ञान हुआ। 2. लोक प्रशासन के संचालन में नौकरशाहों की भूमिका एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन के प्रयासों का ज्ञान हुआ। 3. सामाजिक शोध के क्षेत्र में प्राथमिक एवं व्दितीयक स्त्रोतों के महत्व का ज्ञान हुआ।

	4. Govt.and politics of Chhattisgarh	4. छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिये किये गये आंदोलनों का ज्ञान हुआ।
M.A. IV Semester	1. Contemporary issues of international politics 2. Public administration 3. Research methodology 4. Political history of Chhattisgarh	1. NAM (गुटनिरपेक्ष आंदोलन) के सूत्रधार युगोस्लाविया के मार्शल टीटो ,भारत के पं.जवाहर लाल नेहरू एवं मिस्त्र के कर्नल नासिर की भूमिका का ज्ञान हुआ। 2.भारत में लोक प्रशासन की समस्या एवं उनके समाधान के प्रयासों की जानकारी हुई। 3.अनुसंधान के क्षेत्र में आने वाली समस्ओं एवं निदान की जानकारी हुई। 4.छत्तीसगढ़ के स्वप्न दृष्ट पं रविशंकर शुक्ल, ठाकुर प्यारेलाल ,डॉ. खूंबचंद बद्येल के द्वारा किए गए प्रयासों का ज्ञान हुआ।

POLITICAL SCIENCE - COURSE OUTCOME

PROGRAMME	Subject	Class UG/PG	PAPER	SPECIFIC PROGRAMME OUT COME
M.A. .	I Semester	Indian political thought-I	Compulsory Paper	1. महाभारत के शांतिपूर्ण में वर्णित राज्य के स्वरूप एवं राजा के कर्तव्य ,गुण एवं कार्यो का ज्ञान हुआ। 2. कौटिल्य के राजदर्शन का ज्ञान हुआ। 3. स्वामी विवेकानंद ,महात्मा गांधी, डॉ.अम्बेडकर, जयप्रकाश नारायण आदि के राजनैतिक विचारों का ज्ञान हुआ।
		Indian Govt.and politics-II	Compulsory Paper	1. भारतीय संविधान की पृष्ठभूमि का ज्ञान हुआा। 2. संविधान की प्रस्तावना में निहित आदर्शों का ज्ञान हुआ। 3. मौलिक अधिकार एवं कर्तव्यों के महत्व का ज्ञान हुआ। 4. भारतीय राजनीति की चुनौतियों का ज्ञान हुआ। जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, धर्म, भष्टाचार के प्रभाव का ज्ञान हुआा।
		Comparative politics	Compulsory Paper	1. तुलनात्मक राजनीति की पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञान हुआ। 2. परंपरागत एवं आधुनिक राजनीतिक अध्ययन की विशेषताओं का ज्ञान हुआ। 3. व्यवहारवाद एवं उत्तर व्यवहारवाद की वैधता का ज्ञान हुआ।
		International organization	Compulsory Paper	1. अंतर्राष्ट्रीय संगठन के महत्व एवं भूमिका का ज्ञान हुआ। 2. अंतर्राष्ट्रीय विवादों के हल में शांतिपूर्ण एवं बाध्यकारी उपायों का ज्ञान हुआ। 3. यू.एन.ओ. की ऐजेन्सीस का ज्ञान हुआ। 4. सार्क ,आसियान ,ई.यू.ब्रिक्स एवं ओपेक जैसे श्रेत्रीय संगठनों का ज्ञान हुआ।
M.A. .	II Semester	Western political thought	Compulsory Paper	1. पश्चिमी जगत के राजनीतिक विचारकों के राज्य सबंधी विचारों का ज्ञान हुआ। 2. यूनानी दार्शनिक सुकरात, प्लेटो,अरस्तू के सिद्धांतो का ज्ञान हुआ। 3. मानव अस्तित्व की आवश्यक शर्त स्वतंत्रता के विभिन्न आयामों एवं उसकी आवश्यकता का ज्ञान हुआ।
		State politics in India	Compulsory Paper	1. सरकार के आवश्यक अंगो के रूप में राज्यों में कार्यरत् कार्यपालिका, व्यवस्थापिका एवं न्यायपालिका का ज्ञान हुआ। 2. राज्यों व्दारा स्वायतता की मांगों के स्वरूप का ज्ञान हुआ।

				3. अंतर्राष्ट्रीय नदी, जल विवाद का ज्ञान हुआ। 4. राज्य राजनीति की प्रमुख प्रवृत्तियों का ज्ञान हुआ। 5. वित आयोग, योजना आयोग, निर्वाचन आयोग की भूमिका का ज्ञान हुआ।
		Comparative politics in development countries and analysis	Compulsory Paper	1. एकात्मक ,संघात्मक, संसदीय,अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली का ज्ञान हुआ। 2. राजनैतिक दलों एवं दबाव समूहों की भूमिका का ज्ञान हुआ। 3. राजनीतिक अभिजन ,राजनीतिक समाजीकरण, आधुनिकीकरण का ज्ञान हुआ। 4. नौकर शाहों की भूमिका का ज्ञान हुआ।
		Indian foreign policy	Compulsory Paper	1. विदेश नीति के निर्धारण तत्वों का ज्ञान। 2. भारतीय विदेश नीति की विशेषताओं का ज्ञान हुआ। 3. भारत के साथ अमेरिका ,रूस, पाकिस्तान ,चीन ,श्रीलंका के संबंधों एवं उनकी कूटनीतिक विशेषताओं का ज्ञान हुआ।
M.A. .	III Semester	Principal of international politics-I	Compulsory Paper	1. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञान हुआ। 2. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के विभिन्न सिद्धांतो का ज्ञान हुआ। 3. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में शक्ति की अवधारणा के महत्व एवं भूमिका का ज्ञान हुआ। 4. मानवता की रक्षा के लिये नि:शस्त्रीकरण एवं परमाणु अप्रसार जैसी संधियों का ज्ञान हुआ।
		Public administration –II	Compulsory	1. लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन के मध्य व्याप्त अंतर का ज्ञान हुआ। 2. संगठन के सिद्धांतो के स्वरूप एवं महत्व का ज्ञान हुआ 3. केन्द्रीयकरण एवं विकेन्द्रीयकरण की विशेषता एवं गुण-दोषों का ज्ञान हुआ। 4. लोक नियमों की भूमिका ,भर्ती प्रमोशन, सेवानिवृत्ति ,संघ लोक सेवा एवं नौकरशाही की भूमिका का ज्ञान हुआ।
		Research Methodology Part-III	Compulsory	1. सामाजिक शोध की प्रकृति एवं महत्व का ज्ञान हुआ। 2. शोध के क्षेत्र में प्राथमिक एवं द्धितीयक स्त्रोतों के विषय ज्ञान हुआ। 3. क्षेत्रीय अध्ययन के महत्व का ज्ञान हुआ। 4. सामाजिक सर्वेक्षण के उद्देश्य एवं महत्व का ज्ञान हुआ।
		Govt.and politics of	Compulsory	1. राज्यों के पुनर्गठन की मांग के तहत छ.ग. के निर्माण हेतु किये गये आंदोलनों का ज्ञान हुआ।

		Chhattisgarh		2. छ.ग. में स्थानीय स्वशासन एवं पंचायती राज्य की भूमिका का ज्ञान हुआ। 3. छ.ग. की राजनीति में उभरती प्रवितृयों जैसे जनजातिय राजनीति, नक्सलवाद की समस्या एवं समाधान का ज्ञान हुआ। 4. छ.ग. के विकास के लिये निर्मित योजनाओं का ज्ञान हुआ।
M.A. .	IV Semester	Contemporary issues of international politics-I	Compulsory Paper	1. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में असंलग्नता की धारणा के सूत्रधार मार्शल टीटो पं.जवाहरलाल नेहरू ,कर्नल नासिर के प्रयासों का ज्ञान हुआ। 2. शीतयुद्ध काल एवं समाप्ति पर हुये अंतर्राष्ट्रीय परिवर्तनों का ज्ञान हुआ। 3. वैश्वीकरण ,मानवाधिकार एवं पर्यावरणवाद का ज्ञान हुआ। 4. नव उपनिवेशवाद ,निर्भरता का राजनीतिक अर्थशास्त्र का ज्ञान हुआ।
		Public administration Part-II , II	Compulsory Paper	1. कर्मिकों की समस्या उवं उसके निराकरण का ज्ञान हुआ। 2. बजट निर्माण के सिद्धांतो एवं महत्व का ज्ञान हुआ। 3. भारत में बजट निर्माण की प्रक्रिया एवं उस पर नियंत्रण की स्थिति का ज्ञान हुआ। 4. लोकप्रशासन में भ्रष्टाचार के निवारण में लोकपाल एवं लोकायुक्त की भूमिका का ज्ञान हुआ।
		Research methodology Part-II , III	Compulsory Paper	1. अनुसंधान के क्षेत्र में निदर्शन अनुमापन एवं प्रक्षेपित विधि का ज्ञान हुआ। 2. अनुसंधान दल की समस्याओं तथ्यों का वर्गीकरण एवं सारणीकरण की प्रक्रिया का ज्ञान हुआ। 3. अनुसंधान से संबंधित प्रतिवेदन लेखन की प्रक्रिया का ज्ञान हुआ। 4. अनुसंधान में सांख्यिकी एवं कम्प्यूटर के प्रयोग का ज्ञान हुआ।
		Political history of Chhatisgarh	Compulsory Paper	1. छ.ग. की ऐतिहासिक ,भौगोलिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का ज्ञान हुआ। 2. राष्ट्रीय आंदोलन में छ.ग.की भूमिका का ज्ञान मिला। 3. छ.ग. के राजनीतिक चिंतक पं.रविशंकर शुक्ल, ठाकुर प्यारेलाल ,डॉ.खूबचंद बघेल के योगदान का ज्ञान हुआ। 4. छ.ग.के सामाजिक चिंतक गुरू घासीदास पं.सुंदरलाल शर्मा, स्वामी आत्मानंद एवं मिनीमाता के योगदान का ज्ञान हुआ।